उपमाक क्षेत्र की विशेषतायें

कलो वेंकटनायकः

श्लो. एकेन शंख मपरेण करेण चक्रम
अन्येन खड्गमितरेण धनुर्बाणम
वामे श्रियं परिधरम तुरगाधिरूढम
पायात्समां खग नग स्थित वेंकटेशम ॥

श्लो. एक हस्तं कार्टिचेव वामे शंखंच निक्षेपेत्
दक्षिणे चक्र हस्तंतु एकं वैकुण्ठ हस्तकम
अलरमेलमंगा संयुक्तं वेंकटेशमहं भजे ॥

१. इस उपमाक क्षेत्र में भगवान वेंकटेश्वर, दशावतारों में से दसवें अवतार - कल्कि के रूप में स्वयंभू शिला के रूप में विराजमान हैं ।

२. यहाँ के अश्वारूढी भगवान वेंकटेश्वर षडभुज धारी है । उनके चार आयुध है । माता लक्ष्मी सहित वेंकटेश्वर इस गरुड शिला पर विराजमान है, जो शालिग्राम शिला है ।

३. १०८ पावन वैष्णव धामों में इस क्षेत्र की भी गणना की जाती है ।

४. सारे वैष्णव क्षेत्रों में वर्ष में केवल एक ही बार उत्तर द्वार के कपाट खुलते हैं । किन्तु यहाँ की मूर्ति उत्तर मुखी होने के कारण यहाँ पधारनेवाले भक्तों को प्रतिदिन इसका सौभाग्य प्राप्त होता है।

५. इस विश्व में भगवान सारा समय जहाँ भी रहें, किन्तु रात का शयन यहीं पर करते हैं ।

६. सभी मंदिरों में सप्ताह में एक बार संपन्न होनेवाला पंचामृताभिषेक इस क्षेत्र में प्रतिदिन संपन्न होता है ।

७. आंध्रप्रदेश के उत्तरी तट पर विराजमान इस भगवान की बहुत अधिक मान्यता है । अतः तिरुमल क्षेत्र में संपन्न होने वाले महोत्सवों के साथ-साथ अन्य सारे उत्सव यहाँ श्रीवैष्णव संप्रदाय में पांचरात्र आगमानुसार मनाये जाते हैं । यह अत्यन्त दुर्लभ है । तिरुमला-तिरुपति क्षेत्र की यात्रा करने में असमर्थ भक्तगण यहाँ विराजमान भगवान के दर्शन कर अपने आप को धन्य मानते हैं ।

८. गरुड की तपस्या पर प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने इसे अपना आवास बनाया था, जो गरुड पर्वत के आकार में गोचर होता है । इसे गरुडाचल, गरुड पर्वत और गरुडाद्रि नामों से भी पुकारा जाता है ।

९. इस गरुडाद्रि के निचले भाग में श्रीसीताराम सहित दास हनुमान का मंदिर है । उस के सामने श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीमन्नारायण रामानुज पेद्दजिय्यर स्वामी जी द्वारा स्थापित ४८ वें राम स्थूप के दर्शन कर सकते हैं ।

१०. इस गरुड पर्वत के निचले भाग में इस के क्षेत्रपाल, श्री सन्तान वेणुगोपालस्वामी का मंदिर है। यहीं पर श्रीदेवी-भूदेवी सहित श्री वेंकटेश्वर की उत्सव मूर्तियाँ (संचार करने के लिए) हैं। इस मंदिर के चारों ओर अंडाल, नम्मालवार, रामानुजाचार्य और मनवालमुनि के चार उपमंदिर भी हैं।

११. इस गरुड पर्वत के सामने बन्धुर सरोवर नामक तालाब है। यहाँ ब्रह्मा, नारद, आदिति तथा कश्यप दंपति ने स्नान और तप किया था। कश्यप दंपति ने वर पाया था कि सभी युगों में परमात्मा के माता-पिता बनने का सौभाग्य उन्हें ही प्राप्त होगा। यही कारण है कि यहाँ विराजमान भगवान संतान प्रदाता के रूप में विख्यात हैं। अतः संतान प्राप्ति के इच्छुक भक्त गण इस सरोवर में स्नान कर, पर्वत पर विराजमान भगवान के पंचामृत अभिषेक में भाग लेकर पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान का चरणामृत और प्रसाद लेते हैं। भगवान के अभिषेक तथा अन्य सभी पूजा कार्यक्रमों के लिए इसी सरोवर के जल का प्रयोग किया जाता है। इस सरोवर का स्नान तिरुमल में स्थित 'पापविनाश' तीर्थ में स्नान के समकक्ष है, जिससे ब्रह्महत्या का दोष भी परिहार हो जाता है।

१२. भक्तों का विश्वास है कि यहाँ पर विराजमान भगवान की मूर्ति के समक्ष अपनी इच्छा को प्रकट कर, उसकी पूर्ति के पश्चात पैदल पहाड पर चढने की मन्नत माँगते हैं तो वह इच्छा अवश्य पूरी हो जाती है।

१३. इस क्षेत्र की विशेषता यह है कि यहाँ के भगवान वेंकटेश्वर संक्रांति के दूसरे दिन राजाधिराज वाहन पर आरूढ होकर भक्तों के साथ इस गरुडाद्रि की परिक्रमा करते हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में केवल भक्त ही गिरि की परिक्रमा करने की प्रथा है।

१४. उपमाक का अर्थ 'अनुपमेय' है क्योंकि ऐसा महान तीर्थस्थान और कहीं नहीं है।

१५. यहाँ शाश्वत नित्य अन्नदान, गोरक्षा और मंदिर विकास की परियोजनायें हैं। भक्त जन अपनी इच्छानुसार इन योजनाओं में धन आदि दान दे कर परमात्मा की कृपा के पात्र बन सकते हैं। Online की भी सुविधा है। इसके लिए www.upmakabalaji.com को देखें।

१५. इस तीर्थस्थान की कई अन्य विशेषताओं की जानकारी लेनी है तो आप तेलुगु में 'उपमाक माहत्मयम्' नामक ग्रन्थ से जान सकते हैं। तेलुगु में प्रकाशित यह पुस्तक उपमाक में अथवा विशालांध्रा पुस्तक विक्रेताओं के पास पा सकते हैं। आंध्रप्रदेश के सभी पुस्तकालयों में यह पुस्तक उपलब्ध है। ऊपर कथित वेब साइट से इसे निशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं।

१७. इसके आसपास कई प्राचीन मंदिरों के होने के कारण तथा समुद्र तट के निकट होने के भी कारण भक्त जन बार-बार उपमाक क्षेत्र में भगवान के दर्शन करने पधारते हैं।

१८. उपमाक तीर्थस्थान अन्नवरम से ४० कि.मी. और तुनि से १९ कि.मी. की दूरी पर है। विशाखपट्टणम जाने के एन.एच. पर ८५ कि.मी. की दूरी पर है।

Sri Sri Sri Venkateshwara Swamy Vari Devasthanam - Upamaka Kshetram

Upamaka Village, Nakkapalli Mandal, Visakhapatnam Dist, Andra Pradesh

Tel: +91 92476 20111 Website: www.upamakabalaji.com